

भारत में मनीलॉन्ड्रिंग रोकने के समक्ष चुनौतियाँ / बाधाएँ →

- सरकारी नियम एवं बैंकिंग जटिलताएँ।
- विदेशी निवेश के प्रोत्साहन हेतु शेयर बाजार में गैर-संस्थागत विदेशी निवेश से संबंधित SEBI के नियमों में ढिलाई और अन्य प्रतिबंधों को हटाया जाना।
- बैंक या अन्य वित्तीय संस्थाओं द्वारा KYC का उल्लंघन।
- तकनीकी विकास, विशेष रूप से साइबर तकनीक में तीव्र विकास और इस विकास के अनुरूप कानून निर्माण का अभाव।
- DATA का विस्तार तथा Tax Haven country और ऐसे देशों में बैंकिंग गोपनीयता से संबंधित विशेष कानून।
- तरकारी, अवैध व्यापार एवं भ्रष्टाचार में वृद्धि - फलतः काले धन में वृद्धि फलतः

मनीलॉन्ड्रिंग की आवश्यकता तीव्र।

- भारत जैसे विकसशील देशों में जागरूकता की कमी।

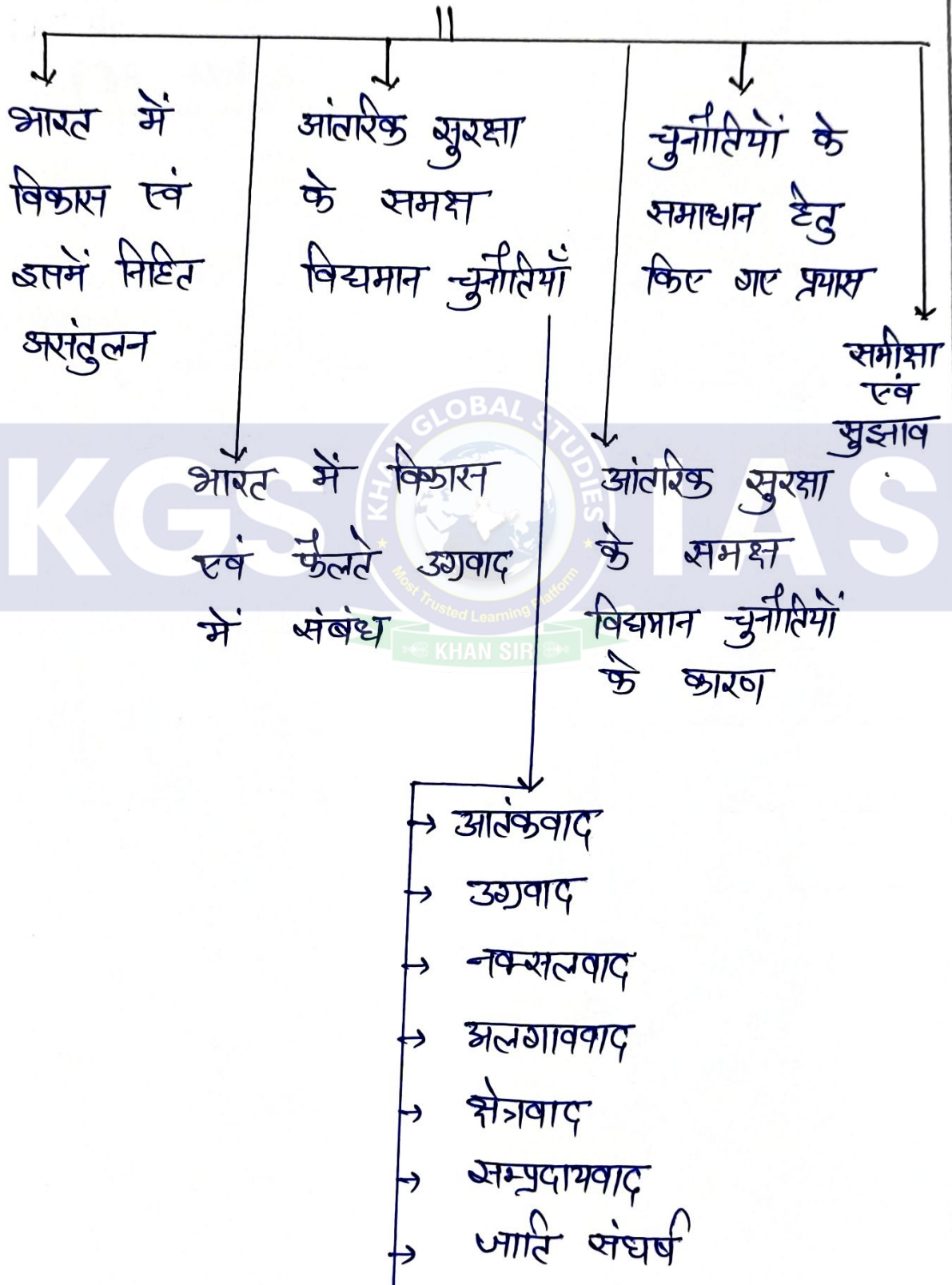
मनीलॉन्ड्रिंग को रोकने हेतु सुझाव →

- अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक जैसे कानून का निर्माण किया जाए और सभी देशों द्वारा इस कानून को इद ब्यद्वाराक्ति के साथ लागू कराया जाए।
- इंटरपोल एवं भारत पोल जैसी संस्थाओं का प्रयोग किया जाए।
- अंतर्राष्ट्रीय संधियों के माध्यम से वित्तीय सूचनाओं को साझा करने और मनीलॉन्ड्रिंग में शामिल अपराधियों के प्रत्यर्पण हेतु वैश्विक सहयोग को प्राप्त किया जाए।
- तकनीकी विकास के अनुरूप संबंधित कानून में संशोधन किया जाए, संबंधित

जॉन् एजेन्सियों के मध्य समन्वय स्थापित किया जाए और आर्थिक जाटिलताओं का सामान्यीकरण किया जाए।

- DATA का पुनर्निरीक्षण किया जाए।
- Tax Heaven Country या रिक्स बैंक जैसी बैंकों की गोपनीयता से संबंधित प्रवधानों को बदला जाए और मनीलॉन्ड्रिंग की जॉन् में इनका सहयोग प्राप्त किया जाए।
- दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ सभी प्रकार के संगठित अपराध को रोक़ा जाए और कालाधन पर नियंत्रण किया जाए और इस हेतु सभी सुरक्षा ढाँचों का सशक्ति-करण एवं आधुनिकीकरण किया जाए।

Development and spread of Extremism:-



Security challenges Extremism - Naxalism
(Left-wing Extremism) →



PDF Notes.

KGS



IAS